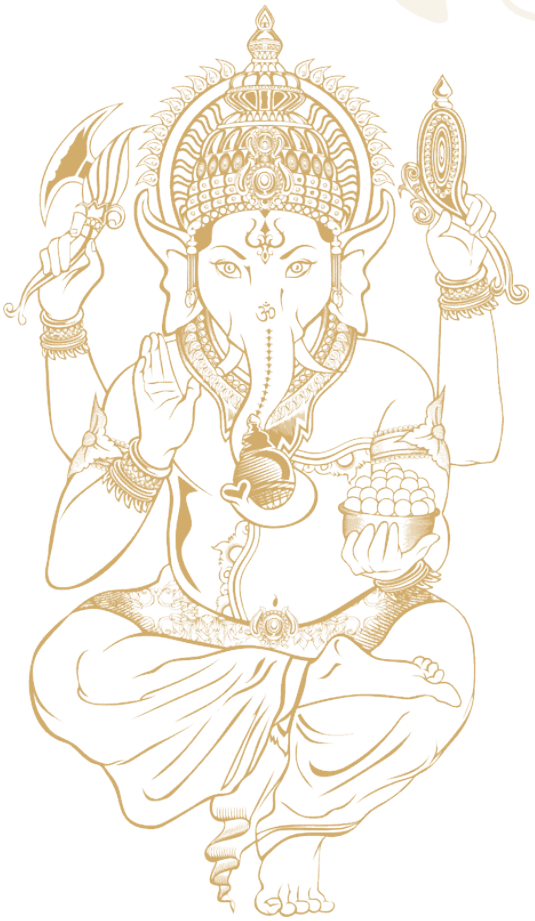

Mohnish

28 Mar 1991

08:40 PM

Indore

Model: web-freekundliweb

Order No: 121172702

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28/03/1991**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**20:40:00 घंटे**
इष्ट	35:40:33 घटी
स्थान	**Indore**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	22:42:00 उत्तर
रेखांश	75:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:13:36 घंटे
वेलान्तर	-00:05:16 घंटे
साम्पातिक काल	08:35:44 घंटे
सूर्योदय	06:23:46 घंटे
सूर्यास्त	18:39:56 घंटे
दिनमान	12:16:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	13:42:01 मीन
लग्न के अंश	11:47:35 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	गण्ड
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टी-टीकम
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	11:47:35	323:05:16	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
सूर्य			मीन	13:42:01	00:59:20	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	23:01:03	13:32:02	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
मंगल			मिथु	03:25:44	00:31:11	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
बुध			मेष	02:14:49	00:51:09	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		कर्क	09:48:57	00:00:22	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	उच्च राशि
शुक्र			मेष	17:59:12	01:11:58	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	सम राशि
शनि			मक	11:10:27	00:04:28	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	स्वराशि
राहु	व		मक	01:39:11	00:09:02	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	01:39:11	00:09:02	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	मित्र राशि
हर्ष			धनु	19:53:33	00:01:04	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
नेप			धनु	22:54:02	00:00:42	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
प्लूटो	व		तुला	26:18:13	00:01:06	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
दशम भाव			कर्क	12:48:36	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:20

लग्न-चलित

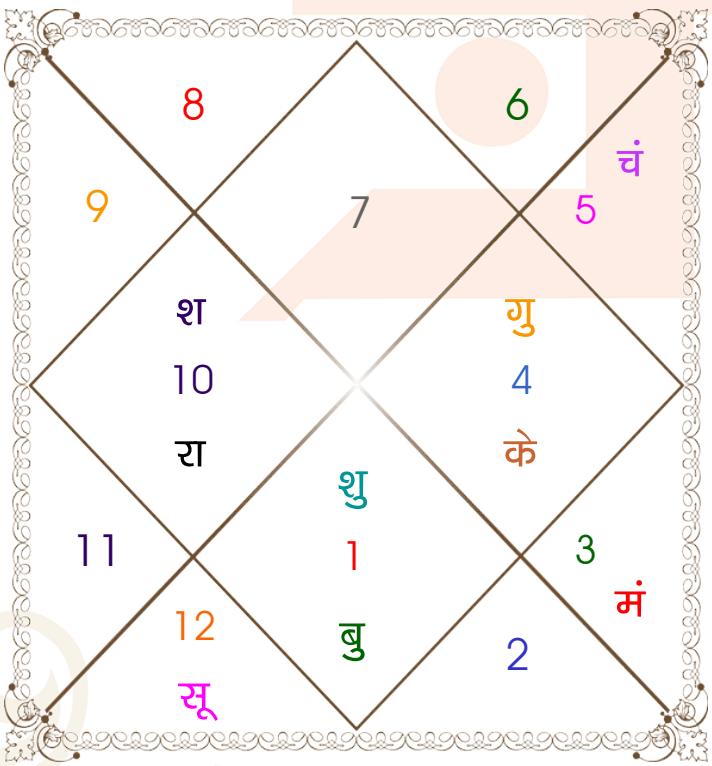

चन्द्र कुंडली

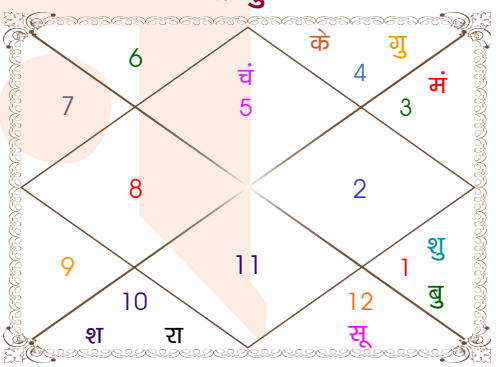

नवमांश कुंडली

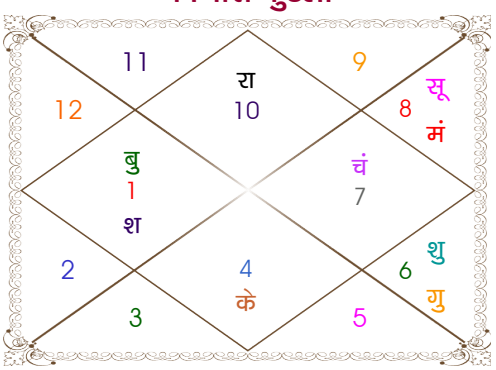

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 5 वर्ष 5 मास 20 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
28/03/1991		17/09/1996		17/09/2002		17/09/2012		17/09/2019	
17/09/1996		17/09/2002		17/09/2012		17/09/2019		17/09/2037	
	00/00/0000	सूर्य	04/01/1997	चंद्र	18/07/2003	मंगल	13/02/2013	राहु	31/05/2022
	00/00/0000	चंद्र	06/07/1997	मंगल	17/02/2004	राहु	03/03/2014	गुरु	23/10/2024
	00/00/0000	मंगल	11/11/1997	राहु	17/08/2005	गुरु	07/02/2015	शनि	30/08/2027
	00/00/0000	राहु	05/10/1998	गुरु	17/12/2006	शनि	18/03/2016	बुध	18/03/2030
	00/00/0000	गुरु	25/07/1999	शनि	18/07/2008	बुध	15/03/2017	केतु	06/04/2031
	28/03/1991	शनि	06/07/2000	बुध	17/12/2009	केतु	11/08/2017	शुक्र	06/04/2034
शनि	17/09/1992	बुध	12/05/2001	केतु	18/07/2010	शुक्र	11/10/2018	सूर्य	28/02/2035
बुध	18/07/1995	केतु	17/09/2001	शुक्र	18/03/2012	सूर्य	16/02/2019	चंद्र	29/08/2036
केतु	17/09/1996	शुक्र	17/09/2002	सूर्य	17/09/2012	चंद्र	17/09/2019	मंगल	17/09/2037

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
17/09/2037		17/09/2053		17/09/2072		17/09/2089		17/09/2096	
17/09/2053		17/09/2072		17/09/2089		17/09/2096		00/00/0000	
गुरु	05/11/2039	शनि	20/09/2056	बुध	13/02/2075	केतु	13/02/2090	शुक्र	17/01/2100
शनि	18/05/2042	बुध	31/05/2059	केतु	10/02/2076	शुक्र	15/04/2091	सूर्य	17/01/2101
बुध	23/08/2044	केतु	09/07/2060	शुक्र	11/12/2078	सूर्य	21/08/2091	चंद्र	18/09/2102
केतु	30/07/2045	शुक्र	08/09/2063	सूर्य	18/10/2079	चंद्र	21/03/2092	मंगल	18/11/2103
शुक्र	30/03/2048	सूर्य	20/08/2064	चंद्र	18/03/2081	मंगल	17/08/2092	राहु	18/11/2106
सूर्य	16/01/2049	चंद्र	22/03/2066	मंगल	15/03/2082	राहु	05/09/2093	गुरु	19/07/2109
चंद्र	18/05/2050	मंगल	30/04/2067	राहु	02/10/2084	गुरु	12/08/2094	शनि	29/03/2111
मंगल	24/04/2051	राहु	06/03/2070	गुरु	08/01/2087	शनि	20/09/2095		00/00/0000
राहु	17/09/2053	गुरु	17/09/2072	शनि	17/09/2089	बुध	17/09/2096		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 5 वर्ष 5 मा 30 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।